


तारीख
हुकम

दिलवायी जाने पर भी डाफी की
से कोई उपस्थित नहीं। अतः डाफी
प्रपत्र अर्थात् टाजरी अर्थात् पैरवी के
खारीज किया जाता है। पत्रावली के
शुमार होना नकार से कम होना शक्य
दाखल है।


राजवीर सिंह यादव
उपखण्ड अधिकारी
नीमकाथाना (सीकर)